जामिया मिल्लिया इस्लामिया

31 मई 2020

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया केंद्रीय पुस्तकालय की डिजिटलीकरण इकाई अत्याधुनिक स्कैनर से लैस

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की डॉ ज़ाकिर हुसैन लाइब्रेरी ने आॅनलाइन टीचिंग-लर्निंग-रिसर्च को बढ़ावा देने की सुविधाओं को और अधिक उन्नत बनाने के लिए अपनी अत्यंत महत्वाकांक्षी डिजिटलीकरण इकाई को अत्याधुनिक ओवरहेड स्कैनिंग डिवाइस से लैस किया है। इस डिवाइस के आ जाने से कला, इतिहास और संस्कृति के साथ ही विश्वविद्यालय की दुर्लभ पांडुलिपियों एवं अभिलेखीय महत्व के दस्तावेजों के संरक्षण में भी मदद मिलेगी।

इन अति महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक दस्तवेजों के डिजिटल संरक्षण से हमारे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों की इन संसाधनों तक पंहुच आसान होने के साथ ही अकादमिक अनुसंधान का दायरा भी बढ़ेगा। फ्रांस में निर्मित, यह बहुत ही तेज़ रफ्तार स्कैनर एक पेज को एक सेकंड से भी कम समय में स्कैन करने की क्षमता रखता है। इसे भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय की वित्तीय मदद से अर्जित किया गया है।

यह अत्याधुनिक स्कैनर दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों जैसे जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय, पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, सेंट्रल फ्लोरिडा विश्वविद्यालय, द ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ जेनेवा, फ्रांस के राष्ट्रीय पुस्तकालय, जर्मनी के हेगन विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी, मैक गिल यूनिवर्सिटी, क्लीवलैंड आर्ट म्यूज़ियम और फिनलैंड के राष्ट्रीय पुस्तकालय आदि में भी स्थापित है।

इस स्कैनर में रियल टाइम कलर प्रीव्यू, ऑटोमैटिक ग्लास ओपनिंग, इलेक्ट्रिकल फ्लैट और वी- शेप्ड बुक क्रैडल, एलईडी कोल्ड लाइटिंग, ऑटोमैटिक क्रॉपिंग, ऑटोमैटिक कर्वेचर करेक्शन जैसे फीचर हैं। भारत के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में, डॉ ज़ाकिर हुसैन लाइब्रेरी पहली है, जिसके पास ऐसी आधुनिक और कुशल डिजिटलीकरण इकाई है। इस इकाई के स्थापित होने से, बड़े पैमाने पर ऐतिहासिक पांडुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों, पुराने धारावाहिकों, अरबी, फ़ारसी, उर्दू और अंग्रेजी भाषाओं में अभिलेखीय अखबारों के चरणबद्ध डिजिटलीकरण करने की ज़ाकिर हुसैन लाइब्रेरी की योजना है।

इन सदियों पुराने दस्तावेजों को लाइब्रेरी के सुरक्षित परिसर में ख़ुद के कर्मचारियों द्वारा डिजिटाइज़ किया जाएगा। इसके लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

लाइब्रेरी, अभिलेखीय महत्व के जामिया के इतिहास से जुड़े फोटोग्राफ, विश्वविद्यालय के संस्थापकों और इसकी स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान करने वाले, महात्मा गांधी, हकीम अजमल खान और डा ज़ाकिर हुसैन आदि के प्राइवेट पेपर्स को डिजिटाइज़ करने का भी इरादा रखती है। साथ ही, विश्वविद्यालय के 100 साल के इतिहास से जुड़े पुराने जर्नल्स, मैगज़ीन और न्यूज़ क्लिप्स को डिजिटाइज़ किया जाएगा।

गौरतलब है कि मौजूदा लॉकडाउन के दौरान जामिया की सेंट्रल लाइब्रेरी अपने उपयोगकर्ताओं को उनके घरों और अन्य दूरस्थ स्थानों से, बड़े पैमाने पर अपने ई-संसाधनों तक पहुंच मुहैया करा रही है।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक